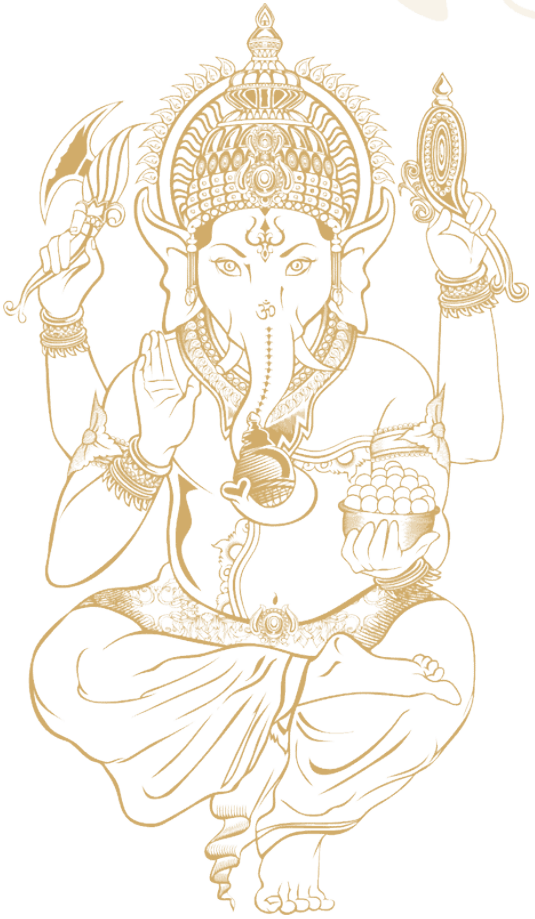

Mr. Navin Gular

15 Oct 1997

02:43 AM

Kot Putli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121468008

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/10/1997**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**02:43:00 घंटे**
इष्ट	50:45:23 घटी
स्थान	**Kot Putli**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:43:00 उत्तर
रेखांश	76:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:17:48 घंटे
वेलान्तर	00:13:58 घंटे
साम्पातिक काल	03:51:36 घंटे
सूर्योदय	06:24:50 घंटे
सूर्यास्त	17:57:20 घंटे
दिनमान	11:32:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:43:57 कन्या
लग्न के अंश	07:51:26 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थानसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	07:51:26	314:53:00	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			कन्या	27:43:57	00:59:26	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			मीन	09:49:00	15:04:11	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	17:29:51	00:43:15	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	28:27:02	01:41:51	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु			मक	18:20:31	00:01:20	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			वृश्चि	13:25:11	01:05:58	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि	व		मीन	22:42:44	00:04:43	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:39:48	00:01:27	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:39:48	00:01:27	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	10:54:43	00:00:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप			मक	03:21:53	00:00:12	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	10:02:31	00:01:52	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	06:15:10	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:29

लग्न-चलित

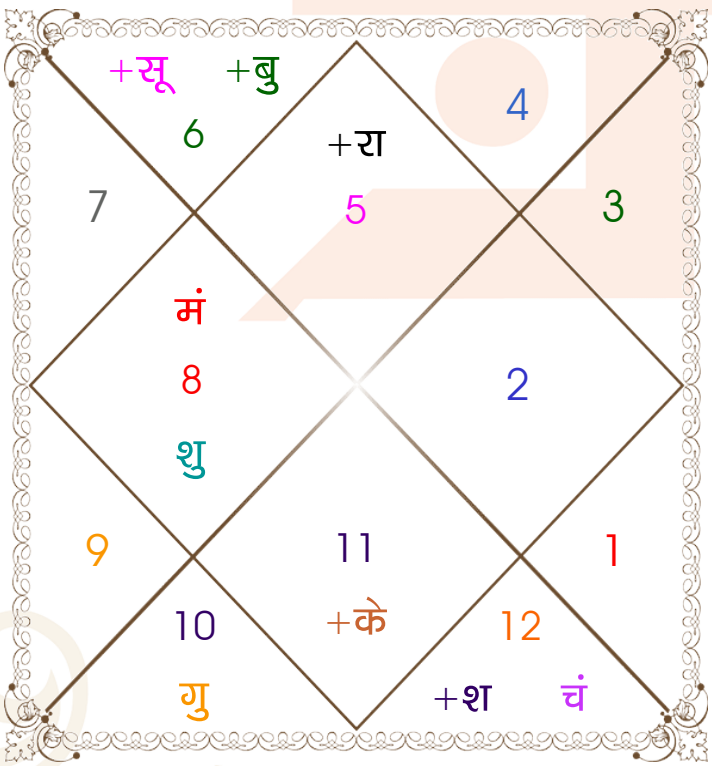

चन्द्र कुंडली

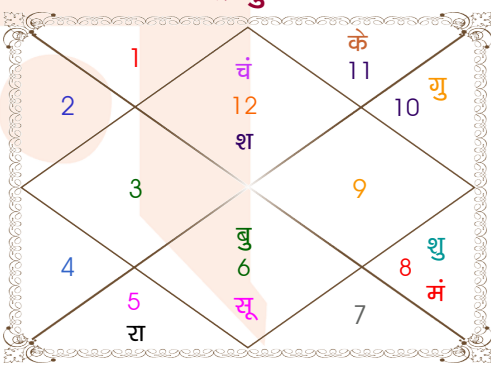

नवमांश कुंडली

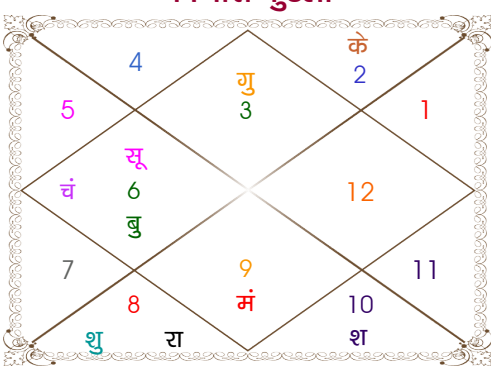

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 9 मास 4 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/10/1997		20/07/2007		19/07/2024		20/07/2031		20/07/2051	
20/07/2007		19/07/2024		20/07/2031		20/07/2051		19/07/2057	
	00/00/0000	बुध	16/12/2009	केतु	15/12/2024	शुक्र	18/11/2034	सूर्य	06/11/2051
	00/00/0000	केतु	13/12/2010	शुक्र	14/02/2026	सूर्य	19/11/2035	चंद्र	07/05/2052
	15/10/1997	शुक्र	13/10/2013	सूर्य	22/06/2026	चंद्र	19/07/2037	मंगल	12/09/2052
शुक्र	11/07/1998	सूर्य	19/08/2014	चंद्र	21/01/2027	मंगल	19/09/2038	राहु	07/08/2053
सूर्य	23/06/1999	चंद्र	19/01/2016	मंगल	19/06/2027	राहु	18/09/2041	गुरु	26/05/2054
चंद्र	21/01/2001	मंगल	15/01/2017	राहु	07/07/2028	गुरु	19/05/2044	शनि	08/05/2055
मंगल	02/03/2002	राहु	04/08/2019	गुरु	13/06/2029	शनि	20/07/2047	बुध	13/03/2056
राहु	06/01/2005	गुरु	09/11/2021	शनि	23/07/2030	बुध	20/05/2050	केतु	19/07/2056
गुरु	20/07/2007	शनि	19/07/2024	बुध	20/07/2031	केतु	20/07/2051	शुक्र	19/07/2057

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/07/2057		20/07/2067		20/07/2074		19/07/2092		20/07/2108	
20/07/2067		20/07/2074		19/07/2092		20/07/2108		00/00/0000	
चंद्र	20/05/2058	मंगल	16/12/2067	राहु	01/04/2077	गुरु	06/09/2094	शनि	24/07/2111
मंगल	19/12/2058	राहु	03/01/2069	गुरु	25/08/2079	शनि	20/03/2097	बुध	02/04/2114
राहु	19/06/2060	गुरु	09/12/2069	शनि	01/07/2082	बुध	26/06/2099	केतु	12/05/2115
गुरु	19/10/2061	शनि	18/01/2071	बुध	18/01/2085	केतु	01/06/2100	शुक्र	16/10/2117
शनि	20/05/2063	बुध	15/01/2072	केतु	05/02/2086	शुक्र	31/01/2103		00/00/0000
बुध	18/10/2064	केतु	13/06/2072	शुक्र	05/02/2089	सूर्य	20/11/2103		00/00/0000
केतु	20/05/2065	शुक्र	13/08/2073	सूर्य	31/12/2089	चंद्र	21/03/2105		00/00/0000
शुक्र	18/01/2067	सूर्य	19/12/2073	चंद्र	02/07/2091	मंगल	25/02/2106		00/00/0000
सूर्य	20/07/2067	चंद्र	20/07/2074	मंगल	19/07/2092	राहु	20/07/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 9 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।